

(ख) यदि हां, तो कितनी राशि की क्षति हुई और इसके लिए उत्तरदायी व्यक्ति कौन हैं; और

(ग) ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) :

(क) 302 डाउन सवारी गाड़ी के प्रथम श्रेणी के सवारी डिब्बा सं. 3661 में आग लगायी गयी थी।

(ख) क्षति का अनुमान 1 लाख रुपये लगाया गया है। आग विचारियों द्वारा लगायी गयी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

(ग) (1) रेलों ने राज्य के साथ निकट सम्पर्क कायम किया है तथा रेल परिसरों में और रेल पथों पर कानून और व्यवस्था बनाये रखने के लिए उनकी सहायता मांगी है।

(2) राज्य सरकारों ने आवश्यक सहायता देने के लिए अपने कानून और व्यवस्था तंत्र को तीव्र किया है।

दिल्ली परिवहन निगम के अन्तर्गत मिनी बसें

3332. श्री यादवेन्द्र बल :

श्री भारत सिंह चौहान :

श्री श्याम लाल धुर्वे :

क्या नौबहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में मिनी बसें चलाई जा रही हैं;

(ख) यदि हां, तो दिल्ली परिवहन निगम और मिनी बसें व मालिकों के बीच हुए समझौते में दी गई शर्तों का पालन किया जा रहा है;

(ग) क्या अधिक सवारी ले जाने के कारण इन बसें के मालिकों के विरुद्ध कोई कार्यवाही की गई है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो दिल्ली परिवहन निगम ने इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की है ?

नौबहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य-मंत्री (श्री चांद राम) : (क) जी, हां।

(ख) से (ङ). दिल्ली परिवहन निगम द्वारा मिनी बसें के मालिकों के साथ किए गए करार की शर्तों के अनुसार, यात्रियों को बसें में न चढ़ाने, अंतिम गंतव्य स्थान की सूचना देने वाले बोर्ड को न लगाने, अनधिकृत रुटों पर बसें चलाने, अधिक किराया वसूल करने जैसे कानून-विरुद्ध कार्यों के लिए निगम कार्रवाई करता है। निगम ने नियमोल्लंघन के ऐसे कार्यों के लिए मिनी बस चालकों के विरुद्ध वर्ष 1978 के दौरान

5861 चालान जारी किए। लगभग 2 लाख रुपये का दण्ड लगाकर इनमें से 3384 चालानों का निपटारा कर दिया गया है। अधिक सवारियों ले जाने के लिए, मुख्य रूप से पुलिस प्राधिकारियों द्वारा ही कार्रवाई की जाती है। यातायात पुलिस प्राधिकारियों ने इस कानून-विरुद्ध कार्य के लिए मिनी बसें के मालिकों के विरुद्ध 1978 में 21,218 चालान जारी किए।

### Converting Utkal Express into a Super Fast Train

3333. SHRI GANANATH PRADHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what are the reasons for not introducing a super fast train between Delhi and Puri;

(b) whether in order to provide better rail communication facility for the people of Orissa, Government would convert the Utkal Express into a super fast train and make it a daily service; and

(c) if not, the reasons therefor and if so, when will the proposal be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) From 1-4-1979, 143/144 Kalinga Express is being speeded up by about 1 hour 45 minutes in one direction and 3 hours and 30 minutes in the other direction to provide a faster service between Delhi and Puri.

(b) and (c). Speeding up of 77/78 Utkal Express is feasible only by withdrawal of halts. As this will be severely resented by the present users this is not desirable. Due to line capacity constraints on sections enroute it is not operationally feasible to increase the frequency of 77/78 Utkal Express.

### Transfer of Medical Officers

3334. SHRI R. L. P. VERMA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether a policy has been decided regarding transfer from one